अवध-विहान

डिजिटल पत्रिका

अंक-45 पुष्प अक्टूबर2025

पञ्चचत्वारिंशत् पुष्प

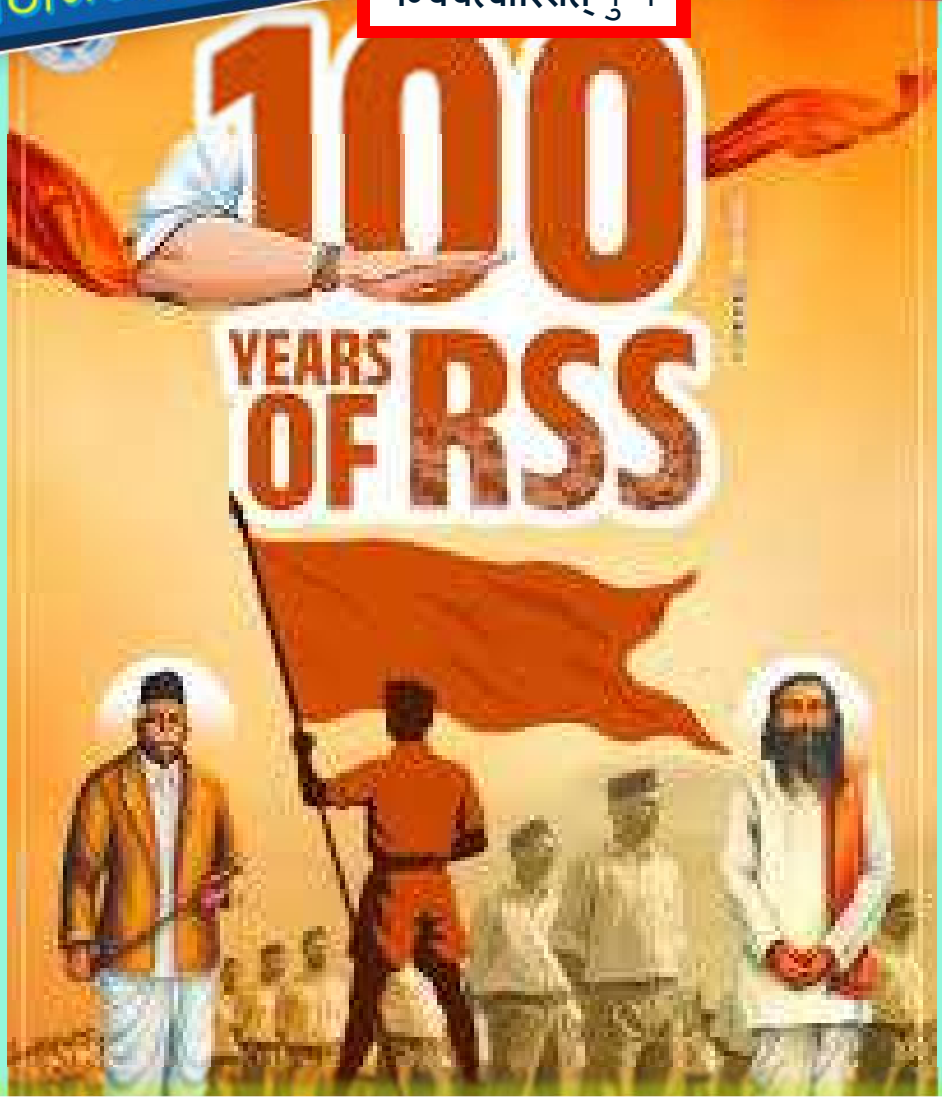

भारतीय शिक्षा समिति उ०प्र०

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
सहसंगठन मंत्री– विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक
सुनील कुमार सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख (भारतीय शिक्षा समिति,उ.प्र.)
मो. 9026446337, E-mail:- awadhpacher@gmail.com

प्रचार टोली

श्री बीरेन्द्र वर्मा
प्रान्त संवाददाता प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

श्री जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

कम्प्यूटर ग्राफिक्स व डिजाइनिंग
श्री अमरदीप श्रीवास्तव
स.शि.म.इ.का. फतेहपुर– बाराबंकी
फतेहपुर– बाराबंकी

सम्पादकीय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ: 100 वर्षों का सफर, राष्ट्र निर्माण की ओर

शून्य से एक शतक बनते अंक की मन भावना का अर्थ है किसी बड़े लक्ष्य को सिद्ध करना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संदर्भ में, यह शताब्दी वर्ष (1925 से 2025) सिर्फ समय का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक विचार और संगठन के परमवैभव तक पहुंचने की यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने विक्रमी संवत 1982 की विजयादशमी को नागपुर में की थी। जन्मजात देशभक्त डॉ हेडगेवार ने 1921 में राजद्रोह के आरोप में कारावास की सजा भी काटी। संघ स्थापना का मूल लक्ष्य सम्पूर्ण हिंदू समाज को संगठित कर, हिंदुत्व के आधार पर भारत को समर्थ और परम वैभवशाली राष्ट्र बनाना था।

अनोखी कार्यपद्धति और विस्तार

इस विशाल लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संघ ने एक सरल और अनोखी कार्यपद्धति दी, जिसका नाम है दैनंदिन शाखा। यह दैनिक मिलन, जो शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर केंद्रित है, लाखों सुयोग्य कार्यकर्ताओं को तैयार करने की भट्टी साबित हुआ है। आज, संघ कार्य का विस्तार अभूतपूर्व है:

* 98% जिलों और 92% खंडों में दैनिक शाखाएं चल रही हैं।
* देशभर में 51,740 स्थानों पर 83,129 दैनिक शाखाएं और 26,460 स्थानों पर 32,147 साप्ताहिक मिलन चल रहे हैं।
* इन शाखाओं में 59% युवा हैं, जो भविष्य की नींव हैं।

इन कार्यकर्ताओं ने पिछले 100 वर्षों से समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। आज 32 से अधिक संगठन समाज जीवन में सक्रिय हैं और अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी हैं। 1990 में सेवा विभाग प्रारंभ हुए 1.29 लाख सेवा कार्य संघ की सेवाभाव की भावना को दर्शाते हैं।

शताब्दी वर्ष का आह्वान: पाँच परिवर्तन

इस विजयादशमी पर, जब संघ अपने 100 वर्ष पूरे कर रहा है, यह संगठन समाज में पाँच महत्वपूर्ण परिवर्तनों का आग्रह कर रहा है:

* सामाजिक समरसता * पर्यावरण संरक्षण * कुटुंब प्रबोधन * स्व आधारित जीवन * नागरिक कर्तव्य

ये विषय आज की परिस्थितियों में सामाजिक एकता, अखंडता और मानवता की भलाई के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। संघ मानता है कि इन प्रयासों को सफल बनाने के लिए केवल स्वयंसेवकों का ही नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज का भरपूर सहयोग और समर्थन अनिवार्य है।

संघ की यह शताब्दी यात्रा हमें याद दिलाती है कि राष्ट्र निर्माण एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

(सुनील कुमार सिंह)
प्रधान सम्पादक
मेवालाल रामदुलारी सरस्वती वि.म.इ.का.
मझगई– खीरी

प्रचार विभाग

भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश अवध प्रांत की संकुल स्तरीय प्रचार विभाग की बैठक सम्पन्न

लखीमपुर खीरी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड लखीमपुर खीरी में भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश, अवध प्रांत की संकुल स्तरीय प्रचार विभाग की बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि प्रांत प्रचार प्रमुख सुनील कुमार सिंह एवं प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान तथा संकुल प्रचार प्रमुख धीरज श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि का परिचय संकुल प्रचार प्रमुख धीरज श्रीवास्तव ने कराया और प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान ने स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। तत्पश्चात् विभिन्न विद्यालयों से आए आचार्यों ने अपना परिचय दिया।इस कार्यशाला में विद्यालय स्तरीय प्रचार प्रमुख आचार्य बंधुओं ने प्रतिभाग किया।

प्रांत प्रचार प्रमुख सुनील कुमार सिंह ने प्रचार विभाग का उद्देश्य कार्य योजना,अष्ट बिंदु और AI टूल्स का उपयोग कैसे करें इस विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। इनमें विद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों और परिणामों को समाज तक पहुँचाना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार, संस्कार केंद्रों के जरिए नैतिक मूल्यों का प्रसार, कुटुंब प्रबोधन गतिविधियों का संचालन, और वार्षिक कैलेंडर निर्माण प्रमुख रहे।

इसके साथ ही सोशल मीडिया पर सत्यापित कंटेंट साझा करने, विद्यालय स्तर पर प्रचार टोली बनाने, मीडिया संपर्क अभियान चलाने, तथा समाचार पत्रों के संवाददाताओं से प्रशिक्षण कार्यशालाएँ कराने का सुझाव रखा गया। प्रचार-प्रसार हेतु सरल भाषा के प्रयोग, विद्यालय की ई-पत्रिका संपादन, कंटेंट निर्माण टोली गठन, और फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम व यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर विद्यालय की गतिविधियों को प्रचारित करने की योजना पर भी सहमति बनी।

कार्यक्रम के अंत में संकुल प्रचार प्रमुख धीरज श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि सहित सभी आचार्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार की बैठकें विद्यालयों की गतिविधियों को अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होंगी।

दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लखपेड़ाबाग, बाराबंकी में संकुल स्तरीय प्रचार विभाग की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ।

बैठक में अष्टबिंदुओं एवं टूल्स पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही समाचार लेखन की प्रक्रिया एवं फोटो खींचने के तरीकों की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर आपेक्षित आचार्य - 06 तथा उपस्थित आचार्य - 06 रहे।

कार्यक्रम में प्रान्तीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील कुमार सिंह तथा प्रान्तीय संवाददाता प्रमुख श्री वीरेंद्र कुमार वर्मा का परिचय एवं स्वागत संकुल प्रमुख श्री राकेश कुमार वर्मा द्वारा किया गया।

अंत में सभी का आभार प्रदर्शन संकुल प्रमुख श्री राकेश कुमार वर्मा द्वारा किया गया।

सरस्वती शिशु मंदिर लोहिया अकबरपुर अंबेडकर नगर में संकुल स्तरीय प्रचार विभाग की बैठक सम्पन्न।कार्यक्रम संयोजक प्रधानाचार्य Mishra Shivprasad जी संकुल प्रचार प्रमुख। प्रांत संवाददाता श्री Virendra Verma जी की गरिमामई उपस्थिति रही।

भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश द्वारा प्रचार विभाग संकुल अयोध्या धाम की बैठक सम्पन्न ।संयोजक ऋषभ बाजपेई जी ,प्रांत संवाददाता श्री Virendra Verma जी की गरिमामई उपस्थिति रही।

इस बैठक में विद्यालय स्तर के प्रचार प्रमुख बंधुओं ने भाग लिया।

#ayodhya

#Vbprchar

#VBupeast

#bsslko

📍 रामनगर, अम्बेडकर नगर

✨ एक दिवसीय प्रचार प्रमुख कार्यशाला सम्पन्न ✨

🌸 माँ शारदा की वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रारंभ हुई इस कार्यशाला में अवध प्रान्त के 12 जनपदों के प्रचार प्रमुखों ने सहभागिता की।

🎙️ डॉ. सौरभ मालवीय (क्षेत्रीय मंत्री, विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश) ने कहा -

“विद्या भारती संस्कारयुक्त शिक्षा के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा, राष्ट्र प्रेम और आध्यात्मिकता को स्थापित करने हेतु सतत क्रियाशील है।”

👉 आगामी सप्त शक्ति संगम अभियान (5 अक्टूबर 2025 - 5 फरवरी 2026) के अंतर्गत 75 लाख मातृ शक्तियों से संपर्क का लक्ष्य रखा गया है।

🙏 इस अवसर पर डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह सहित अनेक प्रचार प्रमुख उपस्थित रहे।

🌟 विद्या भारती - शिक्षा के साथ संस्कार का संगम 🌟

Vidya Bharati- Goraksh Prant Vidya Bharti Mahakoshal Sarswati Vidya Mandir Halog Dhami Bharatiya Vidya Bhavan, Kolkata

लेख- शिक्षक राष्ट्र के भविष्य निर्माता

"गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा, गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः।"

यह श्लोक भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व को दर्शाता है, जहाँ गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान माना गया है। भारत में शिक्षा का क्षेत्र सदैव पूजनीय रहा है, और हमारी सनातन गुरु-शिष्य परंपरा इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। आधुनिक भारत में, शिक्षक दिवस का महत्व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और आदर्शों से जुड़कर और भी गहरा हो गया है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन: एक परिचय

जन्म: 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुत्तनी में।

शैक्षिक योग्यता:

डॉ. राधाकृष्णन की प्रारंभिक शिक्षा तिरुत्तनी और तिरुपति में हुई। उन्होंने मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज से दर्शनशास्त्र में एम.ए. की डिग्री प्राप्त की। उनकी विद्वत्ता इतनी गहरी थी कि उन्होंने 'द फिलॉसफी ऑफ रवींद्रनाथ टैगोर' नामक पुस्तक लिखी, जिसने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई।

कृतियाँ:

उनकी प्रमुख कृतियों में 'इंडियन फिलॉसफी', 'द हिंदू व्यू ऑफ लाइफ', 'ईस्ट एंड वेस्ट इन रिलिजन' और 'द भगवद गीता' पर उनकी टीकाएँ शामिल हैं। इन कृतियों ने भारतीय दर्शन को पश्चिमी दुनिया तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जीवन की उपलब्धियाँ:

* शिक्षक: उन्होंने मैसूर विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में पढ़ाया।
* कुलपति: वे आंध्र विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति भी रहे।
* राजदूत: सोवियत संघ में भारत के राजदूत के रूप में उन्होंने महत्वपूर्ण राजनयिक भूमिका निभाई।
* उपराष्ट्रपति: 1952 में वे स्वतंत्र भारत के पहले उपराष्ट्रपति चुने गए।
* राष्ट्रपति: 1962 में वे भारत के दूसरे राष्ट्रपति बने।

आजादी के प्रभात काल में, जब भारत नई चुनौतियों का सामना कर रहा था, तब आधुनिक शिक्षा की आवश्यकता महसूस हुई। लक्ष्य था एक ऐसे समाज का निर्माण, जो न केवल चुनौतियों का सामना करे, बल्कि उच्च जीवन मूल्यों और आदर्शों को भी अपनाए।

डॉ. राधाकृष्णन ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। वे केवल एक महान शिक्षक ही नहीं, बल्कि एक प्रख्यात दार्शनिक और कुशल राजनेता भी थे। जब वे भारत के सर्वोच्च पद, राष्ट्रपति, पर आसीन हुए, तो उन्होंने एक ऐसी इच्छा व्यक्त की जिसने पूरे देश को प्रेरित किया। उन्होंने निवेदन किया कि उनके जन्मदिन को 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। यह उनकी विनम्रता और एक शिक्षक के प्रति उनके असीम प्रेम को दर्शाता है, जहाँ राष्ट्रपति होने के बावजूद, उनके मन में शिक्षक का सम्मान सर्वोपरि था।

यह घटना हमें सिखाती है कि संसार में शिक्षक का दायित्व अन्य सभी दायित्वों से श्रेष्ठ है। एक शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य का निर्माता होता है। जैसा शिक्षक होगा, वैसा ही राष्ट्र का भविष्य भी होगा।

इस शिक्षक दिवस पर, हम उन सभी शिक्षकों को नमन करते हैं जिन्होंने हमारे जीवन को प्रकाशित किया है, और विशेष रूप से श्रद्धेय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को, जिन्होंने शिक्षक के सम्मान को एक नई ऊँचाई प्रदान की।

यहाँ एक प्रेरणादायक तस्वीर है जो एक गुरु और शिष्य के पवित्र बंधन को दर्शाती है:

ॐ सहनाववतु सह नौ भुनक्तु सह वीर्यं करवावहै तेजस्वि नावधीतमस्तु मा विद्विषावहै ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥ यह मंत्र गुरु और शिष्य के बीच ज्ञान और सहिष्णुता के संबंध को दर्शाता है।

इस अंक में–

	पेज नम्बर
1. लखनऊ संकुल	09–10
2. बाराबंकी संकुल	11–12
3. अयोध्या संकुल	13
4. अम्बेड़कर नगर संकुल	14–15
5. गोण्डा संकुल	16
6. बलरामपुर संकुल	17–18
7. सीतापुर संकुल	19–20
8. लखीमपुर संकुल	21–40
9. हरदोई संकुल	41–42
10. बहराइच संकुल	43–44
11. उन्नाव संकुल	45
12. रायबरेली संकुल	46–47

लखनऊ संकुल

दिनांक **15/10/2025** दिन बुधवार को "सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मॉडल हाउस लखनऊ" में अर्द्ध वार्षिक परीक्षा के तृतीय दिन भारतीय शिक्षा समिति के प्रांतीय परीक्षा प्रमुख आदरणीय श्रीमान अवधेश सिंह जी और पूर्ण कालिक आदरणीय श्रीमान उत्तम कुमार मिश्र जी ने परीक्षा की सुचिता व व्यवस्था के सुचारू व्यवस्थित संचालन ,पेपर खुलने , सीटिंग व्यवस्था तथा बी कॉपी की व्यवस्था सहित, कक्षाओं में जाकर अन्य परीक्षा के कार्यों का औचक निरीक्षण किया ।

अर्धवार्षिक परीक्षा निरीक्षण

आज दिनांक 15-10-2025 को विद्याभारती विद्यालय सरस्वती शिशु/विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई के प्रधानाचार्य श्री विनोद कुमार सिंह जी संकुल प्रमुख द्वारा मीराबाई सरस्वती विद्या मन्दिर सण्डीला का औचक निरीक्षण किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सतीश कुमार मिश्र जी तथा परीक्षा प्रमुख आचार्य श्री विमलेश जी संकुल प्रमुख जी के साथ प्रत्येक कक्षा-कक्ष में गये। उसके पश्चात परीक्षा पंजी, आज की उपस्थिति आदि का अवलोकन किया गया।

भारतीय शिक्षा समिति के प्रांतीय परीक्षा प्रमुख श्रीमान अवधेश सिंह जी , सुरेश मणि सिंह तथा जिला प्रमुख श्री संतोष कुमार सिंह ने परीक्षा की सुचिता व व्यवस्था के सुचारू व व्यवस्थित संचालन ,पेपर खुलने , सीटिंग व्यवस्था तथा बी कॉपीज की व्यवस्था सहित अन्य परीक्षा के कार्यों का औचक निरीक्षण किया ।

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ में आज अर्द्ध वार्षिक परीक्षा के प्रथम दिन ही प्रांत स्तरीय सचल दस्ते तथा जिला स्तरीय सचल दस्ते ने औचक निरीक्षण किया।

विद्या भारती की योजना के अनुसार बोर्ड परीक्षाओं की तरह ही अपनी गृह परीक्षाओं के सुचारु संचालन व नकल विहीन बनाने के लिए इस सचल दस्ते का गठन किया है ।

प्रान्तीय वैदिक गणित एवं सांस्कृतिक महोत्सव

के अन्तर्गत लोकनृत्य में सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर क्यू के भैया बहनों ने प्रथम 🥇 स्थान प्राप्त किया और विद्यालय का मान बढ़ाया ।।

सभी को अग्रिम शुभकामनाएँ एवं बधाई 🌸

जिसमें मुख्य अतिथि- Aparna Bisht Yadav जी

उपस्थित रही जिन्होंने कार्यक्रम की खूब प्रशंसा करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया ।।

बाराबंकी संकुल

लखपेडाबाग (बाराबंकी), 14 अक्टूबर 2025।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लखपेडाबाग, बाराबंकी में चल रही अर्धवार्षिक परीक्षा के दौरान साकेत सम्भाग के सम्भाग निरीक्षक श्री अवरीश जी एवं श्री उत्तम जी द्वारा विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा कक्षों की व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं अनुशासन की स्थिति का अवलोकन किया गया।

निरीक्षण दल ने परीक्षा संचालन की सुव्यवस्थित व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया तथा विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

नवरात्रि में कन्या पूजन एवं मां कालरात्रि की आराधना का भव्य आयोजन

शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर आज सरस्वती शिशु / विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लखपेडाबाग बाराबंकी में धार्मिक उल्लास और भक्ति भाव के साथ कन्या भोज एवं पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा 21 कन्याओं को विशेष आमंत्रित कर पूजन एवं भोजन कराया गया। भारतीय संस्कृति में कन्या पूजन को मां दुर्गा के नवदुर्गा स्वरूप का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। नवरात्रि में कन्याओं के चरण स्पर्श कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना मातृशक्ति की उपासना का सर्वोच्च प्रतीक है।

फतेहपुर- बाराबंकी। कक्ष का उद्घाटन

स्थानीय सरस्वती शिशु मन्दिर में विधायक निधि द्वारा निर्मित कक्ष का उद्घाटन कुर्सी विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सरस्वती शिशु मन्दिर योजना का स्थापना काल 1952 से परिचय देते हुए कहा कि विद्यालय संस्कार युक्त शिक्षा का जागरण करते हुए राष्ट्र के लिए समर्पित आधुनिक युग के अनुरूप भावी भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश के मन्त्री डॉ महेन्द्र कुमार अग्निहोत्री ने उत्तम आदर्शों को शिक्षा में समाहित करने की बात करते हुए कहा कि शैक्षिक उपलब्धियों में जीवन का सर्वांगीण विकास समाहित होना चाहिए। हम राष्ट्र की चेतना को संवर्धित करने वाली पीढ़ी का निर्माण कर रहे हैं। अपने विद्यालय भैया बहनों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित हैं इसी उद्देश्य का व्याप बढ़ाने के लिए ही आदरणीय क्षेत्रीय विधायक जी ने विद्यालय के प्रति उदारता दिखाई है। विधायक निधि से विद्यालय को अब तक पाँच कक्ष मिल चुके हैं। साकेत सम्भाग के निरीक्षक अवरीश जी ने अपने उद्बोधन में जीवन में शिक्षा की उपादेयता व वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय चिन्तन की महत्ता का विवेचन किया। विशिष्ट अतिथि उप जिलाधिकारी कार्तिकेय सिंह ने बताया की चुनौतियों का मुकाबला करते हुए ही उत्तम लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है व सुशिक्षित समाज की वर्तमान समय में उपादेयता के बारे में बताया। शिशु मन्दिर व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ यहाँ संस्कार भी दिए जाते हैं जो समाज जीवन के हर क्षेत्र स्थायित्व का आधार बनते हैं। इस कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन प्रबन्धक लाल बहादुर वर्मा ने किया अतिथि परिचय व प्रस्ताविकी प्रधानाचार्य वीरेन्द्र कुमार वर्मा ने रखी। अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल सह व्यवस्थापक राजेश जायसवाल, कोषाध्यक्ष विजय जैन सहित इन्द्र कुमार जैन , दीप चन्द जैन, गिरधर गोपाल गुप्त, मातृ संगठन के राम सूरत जी, ओमकार श्रीवास्तव खण्ड कार्यवाह, राम नाथ सोनी नगर संघचालक, प्यारे लाल वर्मा सदस्य, उदासीन आश्रम के महन्त हेमन्त दास जी, दिनेश चन्द्र पाण्डेय प्रधानाचार्य आज़ाद इण्टर कॉलेज, व नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अयोध्या संकुल

*पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई

अयोध्या, 25 सितंबर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रामनगर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अंश

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। वरिष्ठ आचार्य श्री विनोद कुमार दीक्षित ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन और उनकी विचारधारा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने पंडित जी के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं और उनके द्वारा किए गए प्रयासों को रेखांकित किया।

पंडित जी के आदर्शों का महत्व

आचार्य जी ने कहा कि पंडित जी ने सदैव समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने और भारतीय संस्कृति के उत्थान पर बल दिया। उनके आदर्श और विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें समाज के लिए काम करने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम का समापन

कार्यक्रम के संयोजक विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री रामभद्र जोशी ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। विद्यालय परिवार ने पंडित जी की जयंती पर उनके आदर्शों को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

विद्यालय की पहल विद्यालय द्वारा इस तरह के आयोजनों के माध्यम से छात्रों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन और आदर्शों से प्रेरित करने का प्रयास किया जाता है। इससे छात्रों में समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा की भावना विकसित होती है।

अम्बेड़कर नगर संकुल

प्रांतीय योजनानुसार विद्या भारती द्वारा संचालित विवेकानन्द शिशुकुंज एवं विवेकानन्द इंटर कॉलेज विद्युत नगर अंबेडकर नगर का निरीक्षण श्रीमान नीरज शुक्ल जी (प्रधानाचार्य विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनटीपीसी) तथा श्रीमान सुधीर कुमार पाण्डेय जी (प्रवक्ता भौतिक विज्ञान) द्वारा किया गया। जिसमें निरीक्षण कर्ता द्वारा परीक्षा कक्ष का विधिवत निरीक्षण करते हुए कॉपी-पेपर के रखरखाव , व्यवस्था पंजी , भैया बहनों के बैठने की व्यवस्था आदि का गहनता के साथ अवलोकन किया तथा भैया-बहनों को अच्छी तैयारी के साथ पेपर देने की नसीहत भी दी। इस बीच विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान राम तीरथ यादव जी तथा श्रीमान नरसिंह नारायण जी (प्रधानाचार्य शिशुकुंज) की उपस्थिति रही।

नारी सशक्तिकरण अभियान के तहत बहनों को किया गया जागरूक।

मिशन शक्ति के अन्तर्गत नारी सशक्तिकरण अभियान का कार्यक्रम विवेकानन्द इंटर कॉलेज विद्युत नगर अंबेडकर नगर में प्रधानाचार्य श्रीमान राम तीरथ यादव जी के निर्देशन में संपन्न हुआ। जिसमें डॉ. तारा वर्मा (प्रधानाचार्या,राजकीय बालिका विद्यालय) तथा श्रीमती नीलम मिश्रा जी(सुपरवाइजर, बाल विकास एवं पुष्टाहार) की गरिमामई उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया तत्पश्चात डॉ. तारा वर्मा जी द्वारा बहनों को जागरूक करते हुए बताया कि महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार, अवसर और शक्ति देना ताकि वे अपने जीवन से जुड़े फैसले खुद ले सकें और समाज व राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकें साथ ही साथ नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति 5.0 के तहत सहायता के लिए आपातकालीन सेवा 112, वूमेन पावर लाइन 1090 ,एंबुलेंस सेवा 108 आदि नम्बरों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें शिक्षा, जागरूकता, आर्थिक स्वतंत्रता और निर्णय लेने की प्रक्रिया में समान भागीदारी शामिल है। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य जी द्वारा बताया गया कि नारी सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं है, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास की एक अनिवार्य शर्त है। इस कार्यक्रम में विद्यालय की कन्या भारती प्रमुख आचार्या बहन श्रीमती उषा रानी जी, श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव जी के साथ-साथ सभी बहनें उपस्थित रहीं।

महर्षि वाल्मीकि जयन्ती का कार्यक्रम विवेकानन्द इंटर कॉलेज विद्युत नगर में प्रधानाचार्य श्रीमान राम तीरथ यादव जी के मार्गदर्शन में वन्दना सभा में बनाया गया। जिसमें वरिष्ठ आचार्य श्रीमान संतराम जी द्वारा महर्षि वाल्मीकि तथा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन तथा दीप प्रज्ज्वलन किया गया।

तत्पश्चात भैया-बहनों को महर्षि वाल्मीकि के बारे में विस्तार से बताया तथा भैया- बहनों को महर्षि वाल्मीकि के जीवन से शिक्षा लेने के लिए भी प्रेरित किया कि किस प्रकार एक असाधारण व्यक्ति सही मार्ग पर आकर अपने आप को बदल लेता है तथा प्रथम ग्रंथ रामायण जैसी महाकाव्य की रचना करता है। इस कार्यक्रम में भैया-बहनों के साथ-साथ सभी आचार्य-आचार्या बहनें भी उपस्थित रहीं।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत बहन पलक वर्मा बनीं प्रधानाचार्या

आज दिनांक 04-10-2025 को सरस्वती उ. मा. विद्यालय टाण्डा अम्बेडकर नगर में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत कक्षा दशम की बहन पलक वर्मा को विद्यालय के यशस्वी प्रबन्धक श्रीमान ज्योति प्रकाश जायसवाल जी ने एक दिन की प्रधानाचार्या बनाने की घोषणा की एवं विद्यालय के प्रबनधक एवं प्रधानाचार्य शिव कुमार सिंह दोनों लोगों ने संयुक्त रुप से उन्हें प्रधानाचार्य की कुर्सी पर बैठा कर स्वागत किया। इस अवसर पर पलक वर्मा के पिता श्री चन्द्र शेखर वर्मा व माता श्रीमती कमलेश वर्मा भी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या का कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात पलक वर्मा ने सभी कक्षाओं में शिक्षण कार्य का निरीक्षण करके भैया बहनों की समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित आचार्यों को निर्देशित किया। अवकाशोपरान्त सभी आचार्यों के साथ बैठकर पाठ्यक्रम एवं शिक्षण में दिखी कमियों को ठीक करने का सुझाव भी दिया। पलक वर्मा ने अपनी नेतृत्व क्षमता से कुशल प्रबन्धन करके एक आदर्श प्रधानाचार्या की भूमिका निभाकर एक मिशाल कायम किया। अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव कुमार सिंह ने उनके माता पिता के प्रति आभार ज्ञापित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामनायें किया।

राम हरख सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर लोहिया नगर अंबेडकर नगर मैं शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर विद्यालय की बहनों ने दुर्गा के नव रूप की झांकी प्रस्तुत की जिसमें विद्यालय के आचार्य आचार्या भैया बहनों एवं प्रधानाचार्य जी द्वारा वंदना की गई और आरती उतारी गई विश्वविद्यालय के प्रधानाचार्य श्री शिव प्रसाद मिश्र उपस्थित रहे |

गोण्डा संकुल

विद्या भारती की योजना के अनुसार अर्द्ध वार्षिक परीक्षा को सुचिता पूर्वक सम्पन्न कराने के लिए संकुल स्तरीय परीक्षा समिति का गठन किया गया। इस समिति ने संकुल गोण्डा के विद्यालय का निरीक्षण किया।

गोण्डा। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मालवीय नगर गोंडा के छात्रों ने विद्या भारती द्वारा आयोजित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रांत एवं गोंडा जनपद का नाम रोशन किया यह बच्चे अब अगले माह जालंधर पंजाब मे आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र का नेतृत्व करेंगे ।

ज्ञातव्य हो कि गत दिवस लखीमपुर में आयोजित क्षेत्रीय वैदिक गणित मेला एवं संस्कृति महोत्सव में बाल वर्ग वैदिक गणित प्रश्न मंच में विद्यालय के छात्र समर पांडेय, अंश पांडेय, अक्षत पाठक एवं आशु भाषण किशोर वर्ग मे हर्ष शुक्ल ने क्षेत्रीय प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद एवं अवध प्रान्त का नाम रोशन किया।

शुक्रवार को विद्यालय पहुँचने पर विद्यालय के छात्रों एवं प्रधानाचार्य रवि कुमार शुक्ल द्वारा पुष्प वर्षा एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। गया। सम्मान समारोह में उपस्थित

छात्र/ छात्राओं संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य रवि कुमार शुक्ल ने कहा कि यदि हम पूर्ण निष्ठा एवं लग्न के साथ किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संकल्पित रहते हैं, तो निश्चित रूप से सफलता अवश्य प्राप्त होती है।

छात्रों की सफलता पर विद्यालय परिवार एवं प्रबंध समिति ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की।

बलरामपुर संकुल

विद्या भारती द्वारा नियोजित अर्धवार्षिक परीक्षा की सुचिता को ध्यान में रखते हुए संकुल एवं प्रांतीय निरीक्षण दस्ता(सचल दल) की व्यवस्था की गई है, इस क्रम में संकुल बलरामपुर के सचल दल ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तुलसीपुर के विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की सीटिंग प्लान पेपर खोलने की तिथि व समय को भी देखा गया। परीक्षाएं सुव्यवस्थित रूप से संचालित हो रही है। इस सचल दल में विद्यालय तुलसीपुरके सहप्रबंधक श्यामसुंदर जी संकुल प्रमुख बृजेश नारायण सिंह एवं भगवतीगंज के प्रधानाचार्य राज बहादुर मिश्रा जी भी उपस्थित रहे।

रामविलास अग्रवाल सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर तुलसीपुर बलरामपुर में आज महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रविंद्र नाथ तिवारी द्वारा महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्जन कर किया। इस अवसर पर भैया बहनों द्वारा महर्षि वाल्मीकि जी के बारे में अपना अपना विचार व्यक्त किया ।विद्यालय के आचार्य श्री रामखेलावन जी ने महर्षि वाल्मीकि व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपना विस्तार पूर्वक विचार रखा। कार्यक्रम का संचालन शिशु भारती के पदाधिकारी भैया बहनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में शिशु भारती प्रमुख आचार्य श्री नेआनंद कुमार मिश्रा ने उपरोक्त कार्यक्रम अपना विचार रखा। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य बंधु/ भगिनी उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती कार्यक्रम संपन्न

रामविलास अग्रवाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तुलसीपुर बलरामपुर में आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती सरस्वतीवंदना के पश्चात मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय भैया बहनों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विद्यालय के आचार्य श्री ठाकुर प्रसाद पांडे व श्री आनंद कुमार जी ने पंडित दीनदयाल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपना अपना विचार प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्य रविंद्र नाथ तिवारी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के बारे में कहा कि पंडित दीनदयाल जी सादा जीवन उच्च विचार के प्रेरणा स्रोत थे।अपना विचार प्रकट करते हुए बताया कि उपाध्याय जी एकात्म मानववाद और दरिद्र नारायण के पुजारी थे ।हम सभी उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज व राष्ट्रीयहित के लिए कार्य करें। आज से 2 अक्टूबर तक स्वदेशी जागरण एवं स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। जिसमें भाग लेकर बढ़ चढ कर हिस्सा लें। तथा अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। विद्यालय के सभी आचार्य परिवार एवं भैया बहनों को स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग करने हेतु जाग्रत किया गया।

सीतापुर संकुल

सरस्वती शिशु मंदिर में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया

मां सरस्वती की वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ, बालिका सशक्तिकरण पर हुए प्रेरक संबोधन

बिसवां (सीतापुर), 11 अक्टूबर 2025।

सरस्वती शिशु मंदिर, पुरवारी टोला, बिसवां में आज मां सरस्वती की वंदना के पश्चात अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की वंदना प्रमुख बहिन संगीता जोशी जी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य श्री अमित जी, श्री राकेश जी, श्री तोताराम पांडेय जी, श्री यमुना जी, बहिन श्रीमती गीतू जी, श्रीमती उर्मिला जी एवं श्रीमती शिखा जी ने अपने प्रेरक विचार प्रस्तुत किए। सभी वक्ताओं ने गीत, कहानी, संस्मरण एवं प्रसंगों के माध्यम से बालिका दिवस के महत्व और समाज में नारी की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

विद्यालय के भैया-बहनों ने भी बालिका दिवस से संबंधित कविताएँ, कहानियाँ और प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत कर कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया।

अंत में कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य बंधु एवं आचार्या बहनों की सहभागिता सराहनीय रही।

भारतीय वायु सेना दिवस पर सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ विशेष कार्यक्रम

पुरवारी टोला, बिसवां (सीतापुर), 8 अक्टूबर 2025 –

सरस्वती शिशु मंदिर, पुरवारी टोला, बिसवां में आज भारतीय वायु सेना दिवस का कार्यक्रम प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरसिया के दिशा निर्देशन में बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिशुभारती प्रमुख आचार्य श्री पुष्पेंद्र आचार्यजी ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आचार्य श्री अमितजी ने भारतीय वायु सेना की स्थापना, देश की सुरक्षा में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका तथा ऑपरेशन सिंदूर में उसके योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों ने वायु सेना से संबंधित प्रेरक कहानियाँ और प्रसंग प्रस्तुत किए, जिससे वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो उठा।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरसिया जी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और भारतीय वायु सेना के वीर योद्धाओं से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। अंत में कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के सभी आचार्य बंधु एवं आचार्या बहनों की सक्रिय सहभागिता रही।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर पुरवारी टोला में आज दिनांक 25/09/2025 दिन गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती बड़े ही उत्साह के साथ मनाई गई। विद्यार्थियों ने उपाध्याय जी के विचारों पर आधारित भाषण, कविताएँ एवं गीत प्रस्तुत किए।

छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए सुश्री श्रृंखला दीदी जी ने कहा कि पंडित जी सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव के प्रतीक थे। उनकी शिक्षा हमें यह संदेश देती है कि हम समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सहयोग की भावना को पहुँचाएँ।

विद्यालय की प्रधानाचार्या जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन दर्शन और एकात्म मानववाद की भावना को समझाया। उन्होंने बताया कि उपाध्याय जी का

लखीमपुर संकुल

संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्रहित के लिए समर्पित था, इसलिए हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना, लखीमपुर खीरी में आज तृतीय

दिवस की परीक्षाएं सुचारू रूप से संपन्न हो रही हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुनेंद्र दत्त शुक्ल ने वंदना स्थल पर परीक्षा में उत्तर पुस्तिका पर लिखने के टिप्स समझाइये। परीक्षा प्रभारी श्री ज्ञानेंद्र कुमार बाजपेई जी ने बताया कि कुल नामांकित 601 भैया/बहनों में से आज 591 भैया/बहन परीक्षा दे रहें हैं। विद्यालय की परीक्षा समिति द्वारा नामित सचल निरीक्षण दल के सदस्यों श्री मनोज दीक्षित, श्री विघ्न विनाशन, श्री अरुण दीक्षित एवं श्रीमती पूजा यादव ने प्रत्यक्ष कक्षाओं में जाकर परीक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया तथा शिशुओं को आवश्यक निर्देश दिये।

श्री तेज महेन्द्रा सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पलिया कलां लखीमपुर-खीरी में माननीय सम्भाग निरीक्षक जी द्वारा औचक निरीक्षण"

श्री तेज महेन्द्रा सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पलिया कलां लखीमपुर-खीरी में सीतापुर संभाग के संभाग निरीक्षक श्री सुरेश कुमार सिंह जी ने औचक निरीक्षण किया। विद्यालय के परीक्षा विभाग की समस्त पंजी , प्रश्नपत्रों के रखरखाव, समय सारणी एवं सभी परीक्षा कक्षों में जाकर गहनता से अवलोकन किया। इसके पश्चात विद्यालय के समस्त आचार्य बंधु /आचार्या बहनों एवं प्रधानाचार्य श्री रामप्रताप सिंह जी व परीक्षा प्रमुख शिशु मंदिर से श्री मनोज जी,श्री सुनील जी, विद्या मंदिर से परीक्षा प्रमुख श्री चंदेश्वर सिंह जी एवं उनकी टीम के सभी सदस्यों के साथ एक बैठक आयोजित की गई जिसमें संभाग निरीक्षक माननीय सुरेश कुमार सिंह जी ने परीक्षा विभाग की कमियों को दूर करने के लिए अवगत कराया ।

व्यवस्थापक श्री रामबचन तिवारी जी ने सभी आचार्य बंधुओ को संबोधित करते हुए कहा कि सभी आचार्य बंधु एवं आचार्या बहनों को इस प्रकार से परिश्रम करना है कि विद्यालय के भैया/ बहनों का स्थान मंडल स्तर पर प्रथम श्रेणी में हो सके बस यही हमारी भगवान नारायण जी से प्रार्थना है ।

दत्तोपंत ठेंगड़ी पुण्यतिथि☘️☘️

👉 विद्याभारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना लखीमपुर में आज दिनांक 14-10-2025 को संघ के वरिष्ठ प्रचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की पुण्यतिथि पूर्ण श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर इतिहास संकलन समिति के सीतापुर विभाग के प्रमुख श्री राजेश दीक्षित जी ठेंगड़ी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ कार्यक्रम का श्री गणेश किया। अतिथि परिचय एवं कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुनेंद्र दत्त शुक्ल जी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सर संघचालक परम पूज्य श्री गुरु जी के कार्यकाल में जब संघ विस्तार की योजना बनी तो ठेंगड़ी जी ने मजदूर संघ में जाकर कम्युनिस्ट विचारधारा वाले श्रमिकों के मध्य जाकर कार्य करने का निश्चय किया। आपने संघ की विचारधारा वाले छोटे-बड़े 19 संगठन खड़े किए तथा लगभग 200 पुस्तकें भी लिखी। श्री दीक्षित जी ने बताया कि ठेंगड़ी जी का जन्म 10 नवंबर 1920 को वर्धा ,महाराष्ट्र में हुआ था। आपने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में राष्ट्रसेवा का कार्य करना अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। आपको स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ में कार्य करने के कारण प्रसिद्धि मिली। आपने लोकमान्य तिलक की 99वीं जयंती के अवसर पर 23 जुलाई 1955 को 35 प्रतिनिधियों के साथ मिलकर भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की। ठेंगड़ी जी के प्रयासों के फल स्वरुप सन 2002 तक 81 लाख से अधिक भारतीय मजदूर संघ के सदस्य हो गये थे। यह संख्या 2012 तक एक करोड़ 71 लाख से अधिक तक पहुंच गई है। 3-4 मार्च 1979 में आपने कोटा, राजस्थान में भारतीय किसान संघ की स्थापना की। 14 अक्टूबर 2004 को पुणे में इस महामानव का महानिर्वाण हुआ। आपके विचार हजारों वर्षों तक देशभक्तों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

✍️✍️ अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रारंभ✍️✍️

👉 आज दिनांक 14.10.2025, दिन मंगलवार को विद्याभारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर, मिश्राना लखीमपुर में सत्र 2025-26 की अर्द्धवार्षिक परीक्षा के द्वितीय दिवस की परीक्षाएं सुचारू रूप से सम्पन्न हुईं। विद्यालय के प्रथम सहायक आचार्य श्री ज्ञानेंद्र कुमार बाजपेई जी ने बताया कि इस परीक्षा में कुल 601 परीक्षार्थी नामांकित है , जिनमें से आज 594 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। विद्यालय के परीक्षा प्रमुख श्री मनोज दीक्षित एवं परीक्षा समिति के सदस्यों द्वारा प्रत्येक कक्ष में जा-जाकर सघन निरीक्षण किया एवं परीक्षा से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए।

विद्या भारती द्वारा आयोजित अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं का औचक निरीक्षण

लखीमपुर खीरी | ज्ञातव्य है कि विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों में 11 अक्टूबर से अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं प्रारम्भ हो गयी है इसी क्रम में प्रान्तीय योजनानुसार आज दिनांक 13/10/25 को लखीमपुर नगर में संचालित विद्यालयों का औचक निरीक्षण सीतापुर सम्भाग के सम्भाग निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह एवं संकुल प्रमुख डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह ने किया | निरीक्षण के दौरान विभिन्न विद्यालयों में परीक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्रों के रख-रखाव, उत्तर पुस्तिका संकलन एवं मूल्याकन की पारदर्शिता का सूक्ष्म अवलोकन किया |सम्भाग निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने नगर में सुव्यवस्थित परीक्षा प्रणाली की सराहना करते बताया कि लखीमपुर संकुल में परीक्षाएं पूर्ण सुचिता एवं अनुशासन के साथ संपन्न हो रही हैं | डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालय गुणवत्ता एवं अनुशासन दोनों के आदर्श उदहारण हैं | यहाँ परीक्षाएं केवल ज्ञान की नहीं बल्कि नैतिकता एवं जिम्मेदारी की भी होती है|

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आचार्य दक्षता वर्ग सम्पन्न

लखीमपुर खीरी। विद्या भारती की प्रांतीय योजना के अंतर्गत प्रत्येक माह आयोजित होने वाले आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सीबीएसई बोर्ड, लखीमपुर खीरी में सम्पन्न हुआ। यह दक्षता वर्ग आचार्यों के सर्वांगीण विकास, कार्यकुशलता तथा शैक्षिक एवं संगठनात्मक दक्षता को सुदृढ़ करने हेतु आयोजित किया गया था।

आज के दक्षता वर्ग की गतिविधियाँ विभिन्न सत्रों में संपन्न हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रथम सत्र में वार्षिक गीत का अभ्यास आचार्य अभिषेक मिश्रा जी के मार्गदर्शन में कराया गया। उन्होंने गीत के भावार्थ एवं स्वर संयोजन पर विशेष बल दिया।

द्वितीय सत्र में इंग्लिश सेशन - क्रिया शोध का संचालन आचार्य हर्ष शुक्ला एवं सर्वेश शुक्ला द्वारा किया गया। इस सत्र में शिक्षण विधियों को अधिक प्रभावी एवं क्रियाशील बनाने के नवीन उपायों पर चर्चा की गई।

तृतीय सत्र में "विद्यालय संचालन में आचार्य की भूमिका" विषय पर सामूहिक चर्चा आयोजित की गई, जिसमें सभी आचार्यों ने सक्रिय सहभागिता की। आचार्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यालय संचालन में अनुशासन, समर्पण और सहयोग की महत्ता पर विचार रखे।

इसके पश्चात ध्यान सत्र आचार्य सर्वेश तिवारी जी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। उन्होंने ध्यान के माध्यम से आत्म-शांति, एकाग्रता और कार्य के प्रति सजगता विकसित करने के उपाय बताए।

"स्व का बोध" विषय पर विशेष सत्र विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अरविन्द सिंह चौहान जी द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी आचार्य के लिए अपने कर्तव्य, आचरण और उद्देश्य का बोध ही श्रेष्ठ शिक्षण का आधार है।

अंतिम सत्र में संघ प्रार्थना का अभ्यास अर्थ सहित आचार्य श्रीधर मौर्य जी द्वारा कराया गया। उन्होंने संघ प्रार्थना के प्रत्येक पद का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसमें निहित संगठन, राष्ट्रभक्ति एवं चरित्र निर्माण के संदेश को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ आचार्य श्री संजय द्विवेदी जी द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी सौम्य एवं प्रेरणादायक शैली से सभी सत्रों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया।

कार्यक्रम के समापन पर संघ शाखा का आयोजन हुआ, जिसमें सभी आचार्यों ने पूर्ण श्रद्धा एवं अनुशासन के साथ सहभागिता की।प्रधानाचार्य श्री अरविन्द सिंह चौहान जी ने कहा कि ऐसे दक्षता वर्ग आचार्यों के व्यक्तित्व निर्माण और शैक्षिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य, आचार्या बहनें एवं शिक्षण सहयोगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संयोजक मंडल द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से किया गया।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर सरस्वती विद्या मंदिर में बेटियों ने संभाली जिम्मेदारी, दिया सशक्तिकरण का संदेश

लखीमपुर खीरी। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस एवं मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लखीमपुर खीरी में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल की गई। समाज को सशक्त संदेश देते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान जी ने कक्षा 12 की छात्रा बहन कृतिका मिश्रा को एक दिन का प्रधानाचार्य तथा बहन आकांक्षा राज को एक दिन का उप प्रधानाचार्य नियुक्त किया।

दोनों छात्रा बहनों ने अत्यंत निष्ठा, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए प्रभावी सुझाव भी दिए।

इस अवसर पर विद्यालय के उपाध्यक्ष श्री घनश्याम राज तोलानी एवं प्रधानाचार्य श्री अरविंद सिंह चौहान द्वारा दोनों छात्रा बहनों को पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया तथा उनके उत्साहवर्धन के लिए प्रेरक शब्दों में आशीर्वाद भी दिया गया।

प्रधानाचार्य श्री चौहान ने कहा कि इस प्रकार की पहल से बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और आत्मनिर्भरता की भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव बालिकाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर समस्त आचार्य-आचार्या बहनों, कर्मचारी महिलाओं तथा छात्र-छात्राओं ने इस सराहनीय पहल का स्वागत किया और दोनों छात्रा बहनों के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

🌸अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस 🌸 🙏

दिनांक 11-10-25, दिन शनिवार को विद्याभारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना लखीमपुर खीरी में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पूर्ण श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।मां सरस्वती के समक्ष पुष्पार्चन, दीप प्रज्वलन एवं वंदना के पश्चात विद्यालय के प्रथम सहायक आचार्य श्री ज्ञानेन्द्र कुमार बाजपेई ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लड़कियों के सामने आने वाले मुद्दों जैसे शिक्षा, पोषण, जबरन बाल विवाह,कानूनी अधिकार एवं चिकित्सा अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रथम बार 11 अक्टूबर 2012 को यह दिवस मनाया गया था,तभी से प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया जाता ह। विद्यालय की बालिका शिक्षा प्रमुख आचार्या श्रीमती पूजा मिश्रा ने बताया कि प्रतिवर्ष बालिका दिवस के लिए एक विषय का निर्धारण किया जाता है। सन 2012 का विषय- बाल विवाह समाप्त करना, सन 2013 का विषय- लड़कियों की शिक्षा के लिए नवाचार,2014 का विषय- किशोरियों का सशक्तिकरण, सन 2015 का विषय- किशोरियों की शक्ति, सन 2016 का विषय- लड़कियों की प्रगति, सन 2017 का विषय- एंपावर गर्ल, 2018 का विषय - एक कुशल लड़की, 2019 का विषय- गर्ल फोर्स,अनस्क्रिप्टेड और अजेय, 2020 का विषय- मेरी आवाज-हमारा सामान भविष्य, 2021 का विषय- डिजिटल पीढ़ी,हमारी पीढ़ी,2022 का विषय- हमारे अधिकार,हमारा भविष्य ,2023 का विषय- हमारा नेतृत्व-हमारा कल्याण, 2024 का विषय- भविष्य के लिए लड़कियों का दृष्टिकोण तथा 2025 का विषय- द गर्ल आई एम,द चेंज आई नीड रखा गया है।विद्यालय की नवोदित आचार्या सुश्री कंचन सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम "सुनहरे भविष्य के लिए बच्चियों का सशक्तिकरण है।इस थीम का उद्देश्य लड़कियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास के लिए समान अवसर प्रदान करना है। इस अवसर पर विद्यालय की समस्त बालिकाओं सहित महिला आचार्याएं उपस्थिति रहीं।

🕊️ भावपूर्ण श्रद्धांजलि 🕊️

आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सीबीएसई बोर्ड, लखीमपुर खीरी में गहन शोक और भावनाओं से भरा वातावरण रहा।

हम सबके शुभचिंतक अभिभावक एवं आदरणीय प्रदेश निरीक्षक श्री राम जी सिंह जी के पूज्य पिता जी के आकस्मिक निधन के दुःखद समाचार ने संपूर्ण विद्यालय परिवार को मर्माहत कर दिया।

विद्यालय के प्रांगण में आयोजित शोक सभा में प्रधानाचार्य श्री अरविंद सिंह चौहान सहित समस्त आचार्यगण, आचार्या बहनें, कर्मचारी भैया व मैया तथा छात्र-छात्राओं ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि –

> "हे प्रभु! दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें।"

पूरे विद्यालय परिवार की संवेदनाएं और श्रद्धांजलि इस दुःख की घड़ी में श्री राम जी सिंह जी और उनके परिवार के साथ हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करें।

🙏 ॐ शांति 🙏

🎯 प्रश्न मंच प्रतियोगिता🎤

🥇🥇 आज दिनांक 08.10.2025, दिन बुधवार को विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना, लखीमपुर में कक्षा तृतीय, चतुर्थ व पंचम के शिशुओं के मध्य बोधमाला पुस्तक से प्रश्नमंच प्रतियोगिता का फाइनल चक्र संपन्न हुआ । मां शारदा के समक्ष मुख्य अतिथि श्री सुभाष चंद्र नगर शिक्षा अधिकारी, श्री राम मोहन गुप्त पूर्व चीफ एसोसिएट, श्री सतीश रस्तोगी पूर्व प्रबंधक IOB एवं प्रधानाचार्य श्री मुनेंद्र दत्त शुक्ल ने दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पार्चन एवं वंदना के उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ किया । माननीय प्रधानाचार्य जी ने अतिथियों का परिचय एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत के उपरांत कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए बताया कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा कक्षा तृतीय से द्वादश तक भारतीय संस्कृति से परिचय हेतु बोधमाला पुस्तक का स्वाध्याय करके परीक्षा कराई जाती है । सभी शिशुओं को को पुस्तक अच्छी तरह से याद हो सके इस हेतु उनके उत्साहवर्धन के लिए यह प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है ।इस प्रतियोगिता में अपने-अपने वर्ग से कक्षाचार्य जी द्वारा सभी शिशुओं से प्रश्नोत्तरी करके 3-3 शिशुओं की 3-3 टीमें तय की गई थी जिनका कक्षाशः सेमीफाइनल दिनांक 06.10.2025 को हो चुका है। इनमें से प्रत्येक कक्षा से 3-3 टीमें आज फाइनल प्रतियोगिता में सम्मिलित हो रही हैं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद 5 A के भैया गोविंद मिश्रा, विवान रस्तोगी एवं अध्ययन शुक्ला की टीम प्रथम, 3A के भैया आरुष वर्मा, आरुष तिवारी व अजय यादव की टीम द्वितीय तथा 3 A की बहन मान्या बाजपेई, इशिका सोनी व भाव्या गुप्ता की टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रबंध समिति द्वारा सभी विजयी प्रतिभागियों के साथ शेष शिशुओं को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया । मुख्य अतिथि श्री सुभाष चंद्र जी ने शिशुओं के प्रश्न मंच की विधा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया । विशिष्ट अतिथि श्री सतीश रस्तोगी जी ने भी शिशुओं को भावी जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु निरंतर स्वाध्याय करते रहने का सुझाव दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री राम मोहन गुप्त ने अपनी काव्य शैली में शिशुओं की तत्परता, बुद्धिमत्ता को सराहते हुए उन्हें सुभाशीष प्रदान किया। और बताया कि निःसंदेह स्लाइड प्रदर्शन ज्ञान और भान पर आधारित इस प्रकार की अभिनव प्रतियोगिताएं बच्चों के ज्ञान और चारित्रिक विकास में महती भूमिका निभाती है। इस अवसर पर प्रबंधक श्री रवि भूषण साहनी सहित शिशु मंदिर का समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

क्षेत्रीय गणित एवं सांस्कृतिक महोत्सव में लोक नृत्य में प्रथम स्थान

(दीन दयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर, लखीमपुर)

सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर क्यू अलीगंज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी अद्भुत कला और सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए क्षेत्रीय गणित एवं सांस्कृतिक महोत्सव में लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय लोक संस्कृति की समृद्ध परंपरा को जीवंत कर दिया। मंच पर उनकी सजीव अभिव्यक्ति, लय, ताल और भाव की समरसता ने सभी दर्शकों और निर्णायकों का मन मोह लिया।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया, किन्तु लखनऊ के सरस्वती विद्या मंदिर की टीम ने अपनी विशिष्ट प्रस्तुति, सटीक नृत्य-समन्वय और पारंपरिक परिधान के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके नृत्य में भारतीय संस्कृति की आत्मा झलक रही थी – जहाँ एक ओर लोक जीवन की सरलता थी, वहीं दूसरी ओर कला की गहराई और अनुशासन का समन्वय था।

इस सफलता पर विद्यार्थियों और उनके प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई दी तथा कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, निष्ठा और संस्कारों का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि सरस्वती विद्या मंदिर सदैव शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कृति और नैतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए, बल्कि संपूर्ण लखनऊ जिले के लिए गर्व का विषय है। इस विजय ने यह सिद्ध कर दिया कि समर्पण, मेहनत और संस्कृति के प्रति प्रेम के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

सप्त शक्ति संगम: राष्ट्र निर्माण हेतु मातृशक्ति के जागरण का महाअभियान

लखीमपुर खीरी। विद्या भारती विद्यालय पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज (यू.पी. बोर्ड), उदयपुर, गोला रोड, लखीमपुर खीरी में आज 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन सम्पन्न हुआ। यह आयोजन नारीशक्ति के सात गुणों- कीर्ति, श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा के प्रकटीकरण के माध्यम से भारत के समग्र विकास में महिलाओं की भूमिका पर चिंतन और प्रेरणा प्रदान करने हेतु समर्पित था। कार्यक्रम का शुभारम्भ दोपहर 12ः30 बजे माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और वन्दना के साथ हुआ। नगर की माताओं, बहनों, शिक्षाविदों तथा छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। पूरा परिसर मातृशक्ति की गरिमा और संस्कृति के गौरव से आलोकित हो उठा। मंचस्थ अतिथियों का परिचय एवं सम्मान कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती ऋतु अवस्थी ने कराया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी क्षेत्रीय संयोजिका सप्तशक्ति संगम श्रीमती निधि द्विवेदी ने प्रस्तुत की। उन्होंने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि 'मातृ देवो भव' केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। मातृशक्ति ही परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण की धुरी है। मुख्य वक्ता श्रीमती सुमन श्रीवास्तव (प्रधानाचार्या, डॉ० रवि मेमोरियल इण्टरनेशनल स्कूल) ने कुटुम्ब प्रबोधन पर बोलते हुए बताया कि उन्होंने महिलाओं की अन्तर्निहित शक्तियों का गहन विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि आज की नारी केवल करुणा की प्रतिमूर्ति नहीं, बल्कि ज्ञान, साहस, और नेतृत्व की प्रतीक भी है। इसके उपरान्त कार्यक्रम की विशिष्ट वक्ता श्रीमती शालू गुप्ता (अध्यक्षा, अन्तर्राष्ट्रीय नेचुरोपैथी संगठन, लखीमपुर) ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई परिवार है, और परिवार का केन्द्र आप हैं, यदि आप संस्कारों को रोपित करेंगी, यदि आप अपने बच्चों को देशभक्ति और सेवा का पाठ पढ़ाएँगी, तो हमारा राष्ट्र स्वतः ही सशक्त हो जाएगा। महिला सशक्तिकरण के नाम पर जो भ्रम और भटकाव फैलाया जा रहा है, आपको अपनी मेधा से उसे समझना होगा। हमें पाश्चात्य नकल की नहीं, बल्कि अपने स्वयं के गुणों को उजागर करने की आवश्यकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ0 सुरचना त्रिवेदी (प्रोफेसर, भगवानदीन आर्यकन्या महाविद्यालय, लखीमपुर) ने महिला सशक्तिकरण को भारतीय संस्कृति की जड़ों से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि "भारतीय नारी केवल अधिकार नहीं, बल्कि दायित्व की चेतना रखती है। जब नारी संस्कारवान बनती है, तभी समाज सशक्त बनता है।" कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सोनिका धवन ने अपनी ओजस्वी वाणी और प्रभावशाली शैली में किया। उनके संचालन ने कार्यक्रम को जीवंत, अनुशासित और ऊर्जावान बनाए रखा। इस कार्यक्रम में 'नारीशक्ति पर प्रश्नोत्तरी', 'प्रेरणादायी नारियों के संस्मरण', तथा 'विशिष्ट माताओं का सम्मान समारोह' प्रमुख आकर्षण रहे। कार्यक्रम के अन्त में श्रीमती आक्षा शुक्ला ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, सहयोगी शिक्षिकाओं, माताओं, और छात्राओं का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह संगम नारीशक्ति के सात गुणों के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का प्रयास है, जो निश्चित ही एक सशक्त और संस्कारित भारत की नींव रखेगा। यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि नारी के भीतर छिपी दिव्य चेतना को जगाने का एक सत्कार्य सिद्ध हुआ। 'सप्तशक्ति संगम' ने यह संदेश दिया कि जब नारी अपने सात गुणों- कीर्ति (सम्मान), श्री (समृद्धि), वाक् (वाणी), स्मृति (ज्ञान), मेधा (बुद्धि), धृति (धैर्य), और क्षमा (करुणा) को है। आत्मसात करती है, तब वह न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे राष्ट्र को प्रगति की दिशा में अग्रसर करती

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई वाल्मीकि जयंती सरस्वती शिशु वाटिका लखीमपुर

विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु वाटिका लखीमपुर खीरी में आज वाल्मीकि जयंती का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं वाल्मीकि जी पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। शिशुओं द्वारा एक लघु नाटिका वाल्मीकि जी के जीवन पर आधारित प्रस्तुत की गई। विद्यालय की प्रथम सहायिका श्रीमती रजनी कपूर ने बताया कि महाकवि वाल्मीकि का जन्म अश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन त्रेता युग में हुआ था। नारद जी ने ही इन्हें राम नाम का उच्चारण करवाया तथा राम नाम जपने के लिए नारद जी ने ही इनसे कहा था। जब इन्होंने राम नाम की कठोर तपस्या कई वर्षों तक की तब इनके शरीर पर दीमक ने चारों ओर अपनी बॉबी बना ली थी इसी के कारण इनका नाम वाल्मीकि पड़ गया।

"उल्टा नाम जपा जग जाना बाल्मीकि भए ब्रह्म समाना "

भगवान वाल्मीकि जी ने जिनका उल्टा नाम जप कर पूरे संसार में अपना नाम किया ऐसे भगवान राम के नाम को हम लोगों को अवश्य ही जपना चाहिए जिससे हम सभी का जीवन धन्य हो सके। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती सुचिता तिवारी ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि जी भगवान राम के पुत्र लव और कुश के गुरु थे। लव और कुश ने भगवान राम की पूरी सेना को परास्त कर दिया था। ऐसे महान गुरु को हर कोई प्राप्त करना चाहेगा इन्हीं के नाम पर मा0 प्रधानमंत्री जी ने अयोध्या के हवाई अड्डे का नाम भी महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा है। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त शिक्षिकाएं बहिनें उपस्थित रही। कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम् के साथ हुआ।

🥇पुरस्कार वितरण संपन्न 🏆

आज दिनांक 0 6 /10 /25 दिन सोमवार को विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना लखीमपुर में क्षेत्रीय प्रतियोगिता से वापस लौटे शिशुओं को विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा पुरस्कृत किया गया। मां शारदा के समक्ष मुख्य अतिथि श्री राजेश दीक्षित, प्रबंध समिति के कोषाध्याय श्री अमित कुमार गुप्त एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुनेन्द्र दत्त शुक्ल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, पपुष्पार्चन एवं वंदना के उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। माननीय प्रधानाचार्य जी ने अतिथि परिचय के उपरांत कार्यक्रम की प्रस्ताविकी रखते हुए बताया कि विद्यालय स्तर पर चयनित होने के पश्चात क्रमशःसंकुल एवं प्रांत स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपरांत सांस्कृतिक प्रश्न मंच की टीम में भैया

गोविंद मिश्रा, बहन आर्या एवं पार्थ अवस्थी तथा गणितीय प्रदर्शन में भैया अंश मिश्रा एवं भैया अध्ययन शुक्ला ने प्रतिभा किया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के उपरांत हमारे विद्यालय के भैया बहनों ने पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र द्वितीय स्थान प्राप्त किया मुख्य अतिथि जी एवं कोषाध्यक्ष जी ने सभी को पुरस्कृत करते हुए अपनी शुभकामनाएं अर्पित कीं । इस अवसर पर शिशु मंदिर का समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

सप्तशती कार्यक्रम संपन्न सरस्वती शिशु वाटिका

विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु वाटिका/ मंदिर लखीमपुर खीरी में आज सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती एवं रानी दुर्गावती के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पार्चन के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ सुरचना त्रिवेदी (एसोसिएट प्रोफेसर भगवान दिन और कन्या महाविद्यालय लखीमपुर खीरी) वक्ता बहन सुश्री क्षमता टंडन (अवकाश प्राप्त प्रवक्ता भगवान दीन आर्यकन्या इण्टर कालेज लखीमपुर) कार्यक्रम की अध्यक्षा आदरणीया निधि द्विवेदी (सह क्षेत्रीय बालिका शिक्षा प्रमुख एवं सप्त शक्ति संगम संयोजिका)जी उपस्थित रही। प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम बहन रजनी कपूर ने किया 11 बहिनों ने उत्तर देकर प्रोत्साहन हेतु पुरस्कृत किया गया। प्रेरणादाई महिलाओं के स्वरूप में मातृ भारती की बहिनें स्वरूप दर्शन में माता जीजाबाई, रानी दुर्गावती, माता अहिल्याबाई, सावित्रीबाई फुले एवं मीराबाई, के स्वरूप में अपना प्रदर्शन किया। समाज में कार्य कर रही सम्मानित बहनों का सम्मान में आदरणीय मयूरी नागर (संयुक्त परिवार)चार पीढ़ियां एक साथ रह रही हैं। आदरणीया अनुश्री दीदी (पर्यावरण) जिन्होंने पर्यावरण पर अनेक को कार्य किए हैं और घर पर भी पर्यावरण की एक मिसाल कायम की है आदरणीया आरती श्रीवास्तव

सचिव इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी लखीमपुर खीरी 2014 से रेडक्रॉस लखीमपुर खीरी से जुड़कर कार्य किया

इससे पहले मध्य प्रदेश और उत्तराखंड, बिहार आदि राज्यों में कार्यरत सामाजिक संस्थाओं में प्रोग्राम ऑफिसर के पद पर किशोरियों एवं महिलाओं को समृद्ध एवं सशक्त बनाने का कार्य किया।

रेडक्रॉस में कार्य करते हुए प्राथमिक चिकित्सा हेतु कार्य करते हुए, प्राथमिक जूनियर विद्यालय, कॉलेज, NCC,SSB, परिवहन विभाग इत्यादि को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया।

प्राकृतिक आपदा बाढ़ / आग, भूकंप में कई हजार लोगों की मदद की गई, महाकुंभ में दो महीने से अधिक रहकर लोगों को सेवाएं दी गई, इन कार्यों हेतु आरती श्रीवास्तव को दो बार राज्यपाल राम नाइक, एक बार राज्यपाल आनंदी बेन द्वारा, नवरत्न फाउंडेशन दिल्ली "नवरत्न नारी सशक्तिकरण अवॉर्ड, परिवहन विभाग जिलाधिकारी खीरी द्वारा गुड सेमरिटन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सुश्री अमरून निशा, ग्राम प्रधानअमकोटवा ब्लॉक नकहा , पिता श्री महबूब अली, युवा और शिक्षित प्रधान 15 अगस्त 2025 स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया एवं कई जिला स्तरीय व राज्य स्तरीय बैठक व सम्मेलन में प्रतिभाग किया। आदरणीया प्रीती पुरी के पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल प्रियंक पुरी ने 10 अक्टूबर 2023 को माउंट मून पर आर्मी एडवेंचर टीम के ऑफिसर तथा जवान माउंटेनियरिंग पर गए थे वहां बर्फीला तूफान आ जाने के कारण सभी लोग बर्फ में दब गए प्रियंक पुरी ने 19270 फुट की ऊंचाई पर जहां हेलीपैड भी नहीं था और ऑक्सीजन भी बहुत कम था वहां जाकर पांच लोगों की जान बचाई जिसके लिए भारत सरकार द्वारा सेना मेडल गैलंट्री से सम्मानित किया गया । दो बहनों द्वारा अनुभव लिए गए साथ ही संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। मातृ शक्ति की संख्या 209 रही। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पूजा मिश्रा ने किया। प्रचार विभाग में बहन पूनम सिंह ने अपना कार्य किया। समस्त शिक्षिकाएं बहने उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय गणित मेला एवं संस्कृति महोत्सव 2025 : द्वितीय दिवस की प्रतियोगिताएं सम्पन्न लखीमपुर खीरी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड में चल रहे तीन दिवसीय क्षेत्रीय गणित मेला एवं संस्कृति महोत्सव 2025 का दूसरा दिन भारत की सनातन संस्कृति और वैदिक परंपरा के आलोक में अत्यंत दिव्य एवं प्रेरणादायी रहा। विद्यालय प्रांगण में एक ओर जहाँ संस्कृति ज्ञान प्रतियोगिताओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति की जड़ों का गौरव उजागर हुआ, वहीं दूसरी ओर वैदिक गणित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने भारत की प्राचीन गणितीय विरासत की अद्भुत झलक प्रस्तुत की।

🌸 संस्कृति ज्ञान प्रतियोगिता परिणाम

1. संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच (तरुण वर्ग)

प्रथम स्थान : शशांक मिश्र

द्वितीय स्थान : रोहित गुप्ता (सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रामबाग बस्ती)

2. आशु भाषण (तरुण वर्ग)

हर्षिता शुक्ला (सनातन धर्म बालिका विद्या मंदिर, रामबाग बस्ती)

3. संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच (किशोर वर्ग)

प्रथम स्थान : विदुषी चौधरी

द्वितीय स्थान : अनन्या यादव (रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, प्रयागराज)

4. आशु भाषण (किशोर वर्ग)

प्रथम स्थान : हर्ष शुक्ला (सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मालवीय नगर गोंडा)

5. मूर्ति कला (किशोर वर्ग)

प्रथम स्थान : शिव शुक्ला (राधे रमण सरस्वती विद्या मंदिर, कसता खीरी)

6. संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच (शिशु वर्ग)

प्रथम स्थान : चक्रधर मिश्रा

द्वितीय स्थान : प्रभास मिश्रा

तृतीय स्थान : अथर्व राज मिश्रा

(सरस्वती शिशु मंदिर, विवेकानंद नगर सुल्तानपुर)

7. मूर्ति कला (बाल वर्ग)

प्रथम स्थान : अंश भार्गव (सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुल्तानपुर)

8. कथा कथन (शिशु वर्ग)

प्रथम स्थान : खुशी कुमारी (सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सूर्यकुंड गोरखपुर)

9. संस्कृति ज्ञान पत्र वाचन

प्रथम स्थान : आचार्या प्रियंका सिंह (डॉ. रामविचार राम भारतीय सरस्वती विद्या मंदिर, रामपुर बलिया)

10. मूर्ति कला (किशोर वर्ग)

प्रथम स्थान : शिव शुक्ला (राधे रमण सरस्वती विद्या मंदिर, कसता खीरी)

📘 वैदिक गणित प्रतियोगिता परिणाम

1. वैदिक गणित प्रश्न मंच (तरुण वर्ग)

प्रथम स्थान : अर्पित पाल

द्वितीय स्थान : अविरल गुप्ता

तृतीय स्थान : दिव्यांश श्रीवास्तव

(सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मैगलगंज खीरी)

2. वैदिक गणित प्रश्न मंच (किशोर वर्ग)

प्रथम स्थान : अभिनव मिश्रा

द्वितीय स्थान : रामजी पांडेय

तृतीय स्थान : यश यादव

(आनंदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नेपालापुर सीतापुर)

3. वैदिक गणित प्रयोगात्मक (किशोर वर्ग)

प्रथम स्थान : सोनाक्षी मिश्रा (कमला केशव सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मंझवारा सुल्तानपुर)

4. वैदिक गणित प्रश्न मंच (बाल वर्ग)

प्रथम स्थान : अंश पांडे

द्वितीय स्थान : समर पांडे

तृतीय स्थान : अक्षत पांडे
(सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मालवीय नगर गोंडा)
5. वैदिक गणित पत्र वाचन (बाल वर्ग)
प्रथम स्थान : नंदिनी पांडे
(सरस्वती शिशु मंदिर सीनियर सेकेंडरी, सूरजकुंड गोरखपुर)
6. वैदिक गणित प्रयोगात्मक (शिशु वर्ग)
प्रथम स्थान : अक्षिता वर्मा
(सरस्वती शिशु मंदिर सीनियर सेकेंडरी, सूर्यकुंड गोरखपुर)
7. वैदिक गणित पत्र वाचन (आचार्य वर्ग)
प्रथम स्थान : आचार्य शिवम कुमार तिवारी
(रस्वती विद्या मंदिर, पाली हरदोई)
संस्कृति और गणित का अद्भुत संगम
इस भव्य आयोजन में प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों ने जहाँ भारत की सनातन संस्कृति की महानता का गान किया, वहीं वैदिक गणित की प्राचीन और अद्वितीय विधियों को आधुनिक युग में पुनः स्थापित करने का अद्भुत प्रयास किया। प्रतियोगिता स्थल पर राष्ट्रभाव, भक्ति भाव और सांस्कृतिक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।
विद्यालय परिसर गूँजता रहा –
“गर्व से कहो हम भारतीय हैं” और
“भारतीय संस्कृति अमर रहे” के उद्घोषों से।

रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ तीन दिवसीय क्षेत्रीय गणित मेला एवं संस्कृति महोत्सव 2025 का शुभारम्भ
लखीमपुर खीरी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड, लखीमपुर खीरी में दिनांक 03 अक्टूबर 2025 से 05 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले तीन दिवसीय क्षेत्रीय गणित मेला एवं संस्कृति महोत्सव 2025 का भव्य शुभारम्भ हुआ।
उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में श्रीमान लोकेन्द्र प्रताप सिंह (सभापति, पंचायती राज समिति उत्तर प्रदेश), मुख्य अतिथि श्रीमान हेमचंद जी (क्षेत्रीय संगठन मंत्री, विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश), विशिष्ट अतिथि श्रीमान अनूप गुप्ता (सदस्य विधान परिषद) एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सौरभ मालवीय (मंत्री, विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश) मंचासीन रहे।
साथ ही कार्यक्रम में क्षेत्र संयोजक वैदिक गणित श्री संतोष कुमार सिंह, संस्कृति बोध परियोजना संयोजक श्री राजकुमार सिंह, विद्यालय के उपाध्यक्ष घनश्यामदास तोलानी, प्रबंधक सीबीएसई बोर्ड श्री रवि भूषण साहनी, प्रबंधक यू.पी. बोर्ड श्री विमल अग्रवाल, प्रधानाचार्य अरविन्द सिंह चौहान, डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह (प्रधानाचार्य, यू.पी. बोर्ड) सहित क्षेत्र के सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही जिनमें प्रमुख रहे –

श्री मिथिलेश जी (जन शिक्षा प्रदेश निरीक्षक), श्री संतोष सिंह (वैदिक गणित क्षेत्रीय प्रमुख), श्री नीरज जी (प्रांत प्रमुख, वैदिक गणित), श्री सुरेश जी (संभाग निरीक्षक, सीतापुर संभाग), श्री श्याम मनोहर जी (क्षेत्रीय सहसंयोजक, वैदिक गणित), श्री रणवीर सिंह जी (सीतापुर संभाग), श्री जियालाल जी (प्रदेश निरीक्षक, जन शिक्षा गोरक्ष प्रांत), श्री राजकिशोर द्विवेदी (प्रांतीय सह बौद्धिक, संस्कृति बोध), श्री राजेंद्र देव त्रिपाठी (क्षेत्रीय अभियान प्रमुख, सांस्कृतिक दिशा परियोजना), श्री मुनेंद्र दत्त जी (प्रधानाचार्य, मिश्राना शिशु मंदिर), श्रीमती हीरा जी (शिशु वाटिका प्रमुख), श्रीमती निधि द्विवेदी जी, श्री राम मणि जी एवं अन्य महानुभाव।

मंचासीन अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान ने कराया तथा सभी को रोली, बैच व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

प्रतियोगिताएं एवं आयोजन

तीन दिवसीय क्षेत्रीय गणित मेला एवं संस्कृति महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें प्रमुख हैं–

संस्कृति ज्ञान आचार्य पत्र वाचन, वैदिक गणित आचार्य पत्र वाचन, वैदिक गणित प्रश्न मंच, संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच , गणित प्रदर्शन, वैदिक गणित प्रयोगात्मक प्रतियोगिता, मूर्तिकला, कथा कथन, ये सभी प्रतियोगिताएं तीन वर्गों - बाल वर्ग, किशोर वर्ग एवं तरुण वर्ग में संपन्न होंगी।

सांस्कृतिक प्रस्तुति ने बांधा समा

इसी अवसर पर विद्यालय की छात्र बहनों ने श्रीराम-सीता विवाह से संबंधित लोक नृत्य “आजु मिथिला नगरिया निहाल सखियां” प्रस्तुत किया। छात्राओं ने इतना दिव्य भाव एवं भक्ति-प्रेम से ओतप्रोत प्रस्तुति दी कि मंचासीन अतिथियों के साथ पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

अतिथियों का उद्बोधन कार्यक्रम अध्यक्ष श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि वैदिक गणित और संस्कृति का यह संगम छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में अभूतपूर्व कदम है।

मुख्य अतिथि श्री हेमचंद जी ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों में न केवल गणितीय कौशल का विकास करेगा, बल्कि उन्हें भारतीय संस्कृति से भी गहराई से जोड़ने का कार्य करेगा।

विशिष्ट अतिथि श्री अनूप गुप्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की भावना जगाना है, और इस प्रकार के आयोजन उस दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

मुख्य वक्ता डॉ. सौरभ मालवीय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वैदिक गणित भारतीय मनीषा की अद्भुत देन है, जिसे सीखकर छात्र गणित को सरल, रोचक और जीवनोपयोगी बना सकते हैं।

तीन दिवसीय इस महोत्सव में जहां गणितीय कौशल का परिष्कार होगा वहीं संस्कृति की धारा भी विद्यार्थियों को अपने मूल से जोड़ेगी।

स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत विद्यालय में हुआ वृहद कार्यक्रम

लखीमपुर खीरी। भारत सरकार द्वारा 17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक पूरे देश में संचालित किए जा रहे "स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान एवं पोषण अभियान" के क्रम में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड, लखीमपुर खीरी में एक भव्य एवं वृहद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कक्षा 6 से लेकर कक्षा 12 तक की सभी छात्रा बहनों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की आचार्या बहनों द्वारा किया गया, जिनमें रंजीता अवस्थी, मंदाकिनी मिश्रा, प्राची तिवारी, निधि मिश्रा, अनु वर्मा, बीना कश्यप, आकांक्षा, अर्चना रिचा, शिवांगी, स्वाति गुप्ता और अंजना तिवारी प्रमुख रूप से सम्मिलित रहीं। इसके अतिरिक्त विद्यालय की कर्मचारी माताएं अनीता व मोनी ने भी कार्यक्रम के संचालन में सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए आचार्या बहनों ने बताया कि सरकार द्वारा इस अवधि के मध्य पूरे देश में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में जिला अस्पताल एवं अन्य केंद्रों पर स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी (कान, नाक, गला) चिकित्सक सहित विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उचित परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

विद्यालय परिवार ने इस पहल को छात्राओं के भविष्य और समाज के स्वस्थ विकास के लिए एक अत्यंत उपयोगी कदम बताया। साथ ही आचार्यों ने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और अपने परिवार एवं समाज में भी जागरूकता फैलाने का कार्य करें।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने भारत सरकार के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि "स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की आधारशिला है और सशक्त परिवार ही सशक्त समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।"

🌸🌸🌸 शारदीय नवरात्रि प्रारम्भ 🌸🌸🌸

🙏🙏 आज दिनांक 22-09-2025,दिन सोमवार को विद्याभारती विद्यालय, मिश्राना- लखीमपुर-खीरी में वंदना स्थल पर शारदीय नवरात्र एवं महाराजा अग्रसेन जयंती के बारे में शिशुओं को अवगत कराया गया। मां शारदा की पूजा अर्चना के उपरांत विद्यालय के प्रथम सहायक आचार्य श्री ज्ञानेंद्र कुमार बाजपेई ने बताया कि अग्रहरि एवं अग्रवाल समाज के पूज्य संत महाराजा अग्रसेन की जयंती आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। आज ही के दिन शारदीय नवरात्र का भी प्रारंभ हो रहा है। श्री विजय शंकर तिवारी आचार्य जी शारदीय नवरात्रि के बारे में बताते हुए मां दुर्गा के नौ रूपों का वर्णन किया। श्रीमती गरिमा बख्शी ने बताया कि हिंदू समाज में प्रत्येक घर में कोई न कोई मां दुर्गा की उपासना करते हुए नौ दिन तक व्रत उपवास करता है। श्री संजय जी ने बताया कि नवरात्र के प्रथम दिन मां दुर्गा की शैलपुत्री, दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन चंद्रघंटा, चौथे दिन कूष्मांडा, पांचवें दिन स्कंध माता, छठे दिन कात्यायनी, सातवें दिन कालरात्रि, आठवें दिन महागौरी एवं नवें दिन सिद्धिदात्री के रूप में पूजा की जाती है। नवें दिन हवन-पूजन करने के पश्चात कन्या भोज करके ही व्रती पारण करता है। श्री मनोज दीक्षित जी ने महाराजा अग्रसेन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आपका जन्म द्वापरयुग में हुआ था। आप भगवान श्री कृष्ण के समकालीन थे। इनके वंशज अग्रवाल समुदाय के लोग महाराजा अग्रसेन की भव्य झांकी व शोभायात्रा निकालकर इनकी जयंती मनाते हैं। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर का संपूर्ण आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

🌸पं० दीनदयाल उपाध्याय जयंती🌸

दिनांक 25-09-2025, दिन गुरुवार को विद्याभारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना,लखीमपुर- खीरी में वंदना स्थल पर एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पूर्ण श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई गई।मुख्य अतिथि श्री राजेश दीक्षित, प्रबंधक श्री रवि भूषण साहनी एवं प्रधानाचार्य श्री मुनेन्द्र दत्त शुक्ल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन ,पुष्पार्चन एवं वंदना के उपरांत कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए पंडित जी के द्वारा स्थापित जीरो क्लब का आशय सभी भैया लोगों को बताया।श्री चंद्रपाल सिंह, श्री मनोज दीक्षित, श्री पुष्पेंद्र श्रीवास्तव,श्रीमती गरिमा बक्शी जी ने पंडित जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर विगत दिनों में प्रांतीय स्तर की विज्ञान मेला, खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा वैदिक गणित/ सांस्कृतिक महोत्सव से विजयी होकर वापस लौटे भैया बहनों को भी विद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा पुरस्कृत किया गया ।कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर का समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ शिशु वाटिका लखीमपुर खीरी

विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु वाटिका लखीमपुर खीरी में आज वंदना सभा में शारदीय नवरात्रि के उपलक्ष्य में

कार्यक्रम माँ दुर्गा जी के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पार्चन कर माताजी की आरती में सभी शिक्षिकाएं बहनें सभी कर्मचारी भैया बहन एवं शिशुओं ने सहभागिता की। फिर विद्यालय की संचालिका श्रीमती हीरा सिंह जी ने भैया बहनों को बताया कि घर घर में माता के 9 रूपों की पूजा संपन्न होगी।

आज नवरात्रि का प्रथम दिवस यानी माँ शैलपुत्री की पूजा होती है। मान्यताओं के अनुसार उनका जन्म हिमालय पर्वत पर हुआ था इसलिए उन्हें शैलपुत्री कहा जाता है। मां शैलपुत्री को साहस, स्थिरता और सौभाग्य की देवी माना जाता है इन्हे वृषारुढ़ा,उमा और हेमवती नामों से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है की माँ शैलपुत्री को सफेद रंग बेहद पसंद है। इसलिए भक्त सफेद कपड़े पहनते हैं। सफेद फूल चढ़ाते हैं और गाय से दूध से बनी खीर या बर्फी का भोग लगाते हैं।

माँ शैलपुत्री की पूजा से मन की नकारात्मक और अशुद्धियां दूर होती हैं जो भी भक्त सच्चे दिल से पूजा करता है। सही विधि से भोग अर्पित करता है। उसे माँ की तरफ से सुख शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।।

वंदे वांछित लाभाय चंद्रार्द्ध कृतशेखराम् ।

वृषारूढ़ामं शूलधरां शैलपुत्री यशस्विनीम।।

हम सभी महाशयल पुत्री को नमन करते हैं।

जो साधकों को सौभाग्य और लाभ प्रदान करती हैं जिनके मस्तक पर अर्धचंद्र सुशोभित हैं जिनकी सवारी वृषभ है त्रिशूल धारण करती हैं और यशस्वी रूप में प्रसिद्ध हैं। नवरात्रि के प्रथम दिवस की मंगलमय शुभकामना दी। सभी भैया बहनों ने जयकारा लगाते हुए माताजी की जय बोली।।

एमएलआरडी सरस्वती विद्या मंदिर में मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती

एमएलआरडी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज, मझगई खीरी में महान दार्शनिक और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान मेहंदी, निबंध और खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आदरणीय विवेकानंद जी (मास्टर ट्रेनर, प्राथमिक शिक्षा) और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आदरणीय नवीन कुमार पाण्डेय जी उपस्थित रहे।

पूरे कार्यक्रम का संचालन शिवभूषण श्रीवास्तव जी ने किया, जबकि संयोजन सत्यप्रकाश मौर्य जी द्वारा किया गया। अंत में, प्रधानाचार्य जी ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

हरदोई संकुल

🙏 अर्धवार्षिक परीक्षा प्रारम्भ 🙏

दिनांक 13-10-2025 से विद्याभारती विद्यालय सरस्वती शिशु/विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई के भैया/बहनों की अर्धवार्षिक परीक्षा प्रारभ हो गई है। जिसमें परीक्षा की सुचिता बनाएं रखने के लिए प्रधानाचार्य श्री विनोद कुमार सिंह जी एवं परीक्षा प्रमुख आचार्य जी निरन्तर सक्रिय है।

इसी क्रम में आज दिनांक 14-10-2025 को प्रबन्ध समिति के कोषाध्यक्ष श्रीमान राकेश कुमार दीक्षित जी सदस्या बहन डॉ० शीला पाण्डेय जी ने आकस्मिक निरीक्षण प्रत्येक कक्षा में जाकर किया। उनके साथ प्राथमिक के परीक्षा प्रमुख आचार्य श्री परमेश्वर दीन दीक्षित तथा उ०मा० के परीक्षा प्रमुख आचार्य श्री सतेन्द्र कुमार सिंह जी रहे।

🙏 गाँधी जयंती समारोह 🙏

🌺 आज दिनांक 09-10-2025 को विद्याभारती विद्यालय सरस्वती शिशु/विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई के भैया/बहनों को महात्मा गाँधी जनकल्याण समिति,हरदोई द्वारा गाँधी भवन में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार प्रदान किए गये। पुरस्कार प्राप्त छात्रों को विद्यालय में भी प्रधानाचार्य श्रीमान विनोद कुमार सिंह जी ने बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

शारदीय नवरात्रि पर्व मनाया

दिनांक 30-09-2025 को शारदीय नवरात्रि के अवसर पर विद्या भारती विद्यालय सरस्वती शिशु /विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई में कन्याओं को देवी के स्वरुप में सज्जा करके उनका पूजन-अर्चन करते हुए आरती की गयी। जिसमें मातृभारती की बहनों सहित कुछ अभिभाविकाओं ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन श्री परमेश्वर दीन दीक्षित जी के द्वारा किया गया। देवी स्वरूपा कन्याओं को पेन्सिल, रबर, कटर, की किट उपहार में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान विनोद कुमार सिंह जी ने सप्रेम भेट की।

प्रथमम शैलपुत्री च द्वितीयम ब्राम्हचारिणी।

तृतीयम चंद्रघंण्टेति कूष्मांण्डेति चतुर्थकम्।।

पंचमं स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च।

सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमम्।।

नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रतिकीर्तितः।

उक्तान्येतानि नामानि ब्रह्मणैव महात्मना ।। सम्पूर्ण जगत कल्याण के लिए माता रानी से सभी ने प्रार्थना की।

बहराइच संकुल

परिश्रम और लगन से अखिल भारतीय हैमर थ्रो प्रतियोगिता का रास्ता हुआ आसान ।

स0वि0म0इ0का0गोपीनाथपुरम शुक्लागंज उन्नाव की खुशी शिवहरे ने यह कहावत चरितार्थ कर दिखाया कि जब हम मंजिल को पाने की ठान ले तो वह मिलकर ही रहती है । हमारे विद्यालय की कक्षा 12 की छात्रा खुशी शिवहरे ने संकुल ,प्रान्त और फिर क्षेत्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त कर यह दिखा दिया कि लड़कियाँ किसी से पीछे नहीं हैं । अब यह नवम्बर के महीने में अखिलभारतीय हैमर थ्रो प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह से कमर कस चुकी है और उनकी आँखों में सिर्फ गोल्ड मेडल जीतने की ललक दिखाई दे रही है । उन्होंने यह बात आज विद्यालय में आने के बाद कही । आज जब वह मेडल जीतने के बाद पहली बार विद्यालय आईं तो विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री श्रवण कुमार सिंह जी व शिशु मन्दिर गोपीनाथपुरम के प्रधानाचार्य श्री दुर्गेश कुमार सिंह व विद्यालय के आचार्य श्री अवधेश कुमार तिवारी , श्री मनोज सिंह , श्री रमेश कुमार सिंह जी ने खुशी शिवहरे को माला पहनाकर मुँह मीठा कराया व आगे भी इसी प्रकार के प्रदर्शन करने का आशीर्वाद दिया ।विश्वास से भरी हुई खुशी शिवहरे ने गोल्ड मेडल जीतने का वायदा किया ।इस जीत से पूरे विद्यालय में खुशी की लहर है ।सभी उसकी प्रसंशा व सराहना कर आशीर्वाद दे रहे हैं ।

स.वि.म. निराला नगर, लखनऊ में प्रांतीय वैदिक गणित मेला एवं सांस्कृतिक महोत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाया प्रतिभा का लोहा*

लखनऊ, 22 सितम्बर 2025 - स. वि. म. निराला नगर, लखनऊ में आयोजित प्रांतीय वैदिक गणित मेला एवं सांस्कृतिक महोत्सव में विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज माधवपुरी बहराइच का नाम रोशन किया।

विजेता भैया बहनों को आदरणीय प्रदेश निरीक्षक भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश राम जी सिंह जी एवं संभाग निरीक्षक सीतापुर सुरेश सिंह जी ने मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

गणित प्रश्नमंच (तरुण वर्ग) में भैया अभ्युदय यादव, नकुल बघेल एवं अमन द्विवेदी (कक्षा 11A) की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शिशु वर्ग की प्रदर्श प्रतियोगिता में प्रज्ञान भट्ट (कक्षा 4A) ने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। किशोर वर्ग प्रयोग में आदित्य शुक्ल (कक्षा 9B) ने तथा तरुण वर्ग प्रयोग में प्रियम मिश्र (कक्षा 11A) ने उत्कृष्ट योगदान देते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं तरुण वर्ग आशुभाषण प्रतियोगिता में बहिन अनुष्का पाण्डेय (कक्षा 11B) ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी भाषण कला का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक आचार्य संजीव यादव एवं लक्ष्मी पाण्डेय ने सभी विजयी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विजय बहादुर सिंह ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके उत्साहवर्धन के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी।

यह आयोजन विद्यार्थियों में वैदिक गणित व सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

उन्नाव संकुल

प्रान्तीय वैदिक गणित एवं सांस्कृतिक महोत्सव में उन्नाव संकुल का रहा दबदबा ।

स0वि0म0इ0का0गोपीनाथपुरम शुक्लागंज उन्नाव के वैदिक गणित व सांस्कृतिक महोत्सव के भैया बहिन प्रान्तीय प्रतियोगिता के लिए 19 सितम्बर से 21 सितंबर तक स0वि0म0इ0का0 निरालानगर लखनऊ गए थे जिसमें 13 जिलों के भैया बहिनों नें प्रतिभाग किया था जिसमें वि0म0 गोपीनाथपुरम की बहिन नव्या यादव 12 A2 ने आशुभाषण में पूरे प्रान्त में प्रथम स्थान प्राप्त किया , रत्नेश मिश्रा 10A2 ने गणित प्रदर्श में प्रथम स्थान व अंशिका मिश्रा 9A4 ने वैदिक गणित पत्रवाचन में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया । अब ये सभी भैया बहिन क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए लखीमपुर खीरी के लिए 3 अक्टूबर को प्रस्थान करेंगे । इसी क्रम में यश कश्यप 8B ने मूर्तिकला में द्वितीय स्थान, अभिज्ञान पाण्डेय 11B1 ने गणित प्रयोग में द्वितीय स्थान, सार्थक द्विवेदी 11A3 ने गणित प्रदर्श में तृतीय स्थान व जान्हवी श्रीवास्तव 10A2 ने मूर्तिकला में तृतीय स्थान प्राप्त कर प्रान्त में अपना परचम लहराया ।

प्रान्तीय विज्ञान मेला जो 16 सितम्बर से 18 सितंबर तक स0वि0म0इ0का0 रामसनेही घाट बाराबंकी में आयोजित किया गया था उसमें शांतनु अवस्थी 8A3 ने बालवर्ग में प्रदर्श में तृतीय स्थान, अविका शर्मा 9A4 किशोरवर्ग प्रदर्श में चतुर्थ स्थान ,कर्तव्य मिश्रा 9 A ने किशोरवर्ग प्रदर्श में तृतीय स्थान, अद्रिका त्रिपाठी 10A2 ने किशोरवर्ग पत्रवाचन में तृतीय स्थान, निष्ठा कौशल 11A1 ने तरुण वर्ग प्रदर्श में द्वितीय स्थान, वैभव जायसवाल 11A3 ने तरुण वर्ग प्रदर्श में तृतीय स्थान , आयुष मिश्रा 12B1ने तरुण वर्ग प्रदर्श में तृतीय स्थान व आर्यन पाल 12B1 ने भौतिक विज्ञान प्रयोग में तृतीय स्थान प्राप्त किया है । विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री श्रवण कुमार सिंह जी ने सभी भैया बहिनों को बधाई दी व उनको मैडल पहनाकर व प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया ।वहीं विज्ञान के आचार्य श्री संतोष जी व गणित के आचार्य श्री योगेश कुमार अवस्थी को भी प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्र से सम्मानित किया । इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य व भैया बहिन उपस्थित रहे । विद्यालय इन भैया बहिनों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे प्रान्त में गौरान्वित है । पूरे प्रान्त में जिसमें 13 संकुल आते है उसमें अपना उन्नाव संकुल तृतीय स्थान पर रहा ।

रायबरेली संकुल

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लालगंज, रायबरेली में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

लालगंज (रायबरेली)। आज दिनांक 08- 10- 2025 को बड़े दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि माननीय श्री रामजी सिंह, प्रदेश निरीक्षक, भारतीय शिक्षा समिति, उत्तर प्रदेश अवध प्रांत के पूज्य पिताजी का 7 अक्टूबर 2025 की रात्रि में स्वर्गवास हो गया। इस दुखद समाचार की सूचना प्राप्त होने पर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लालगंज में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

विद्यालय में उपस्थित सभी आचार्यगण, आचार्याएँ, छात्राएँ एवं समस्त कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई

दिनांक: 06 अक्टूबर 2025, स्थान: लालगंज, रायबरेली

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लालगंज में आज महर्षि वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय की आचार्या श्रीमती माया अवस्थी जी एवं सरिता जी ने विद्यार्थियों को महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

विद्यालय के आचार्य श्री अनुराग बाजपेयी जी ने अपने संबोधन में कहा कि आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है और हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्राओं की उपस्थिति रही। सभी ने महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रतापुर रायबरेली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती दिनांक-25.9.20250 से गाँधी जयंती 2..10.2025 तक स्वदेशी सप्ताह का आयोजन किया गया था जिसके अंतर्गत छात्राओं के स्वदेशी वस्तुओं की चित्रकला प्रतियोगिता स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने की शपथ एवं हस्ताक्षर कैंपियन चलाया गया था। आज दिनांक 2.10.2025 को विद्यालय में गांधी जी की एवम् लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जिसके अंतर्गत प्रधानाचार्य श्रीमती अंजू मिश्रा जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया उसके पश्चात सरस्वती एवं भारत माता पूजन के साथ गाँधी जी एवम् शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया गया।पुष्पार्चन के बाद प्रधानाचार्या जी द्वारा गाँधी जी एवम् शास्त्री जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया। इसी के साथ आज ही विद्यालय में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया, इसके दौरान प्रधानाचार्या एवम् सभी आचार्य भैया एवम् आचार्या बहनों ने विद्यालय प्रांगण में सफाई की।

सरस्वती शिशु मंदिर लालगंज 25 सितंबर 2025

लालगंज रायबरेली- सरस्वती शिशु मंदिर में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की 110 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री अनूप कुमार पांडेय ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री सुशील कुमार शुक्ल थे। विद्यालय के प्रबंधक श्री कैलाश वाजपेयी, कोषाध्यक्ष कौशलेंद्र कंचन जी श्री राघवेन्द्र सोनी, चंद्रबाबू तिवारी, मंडल अध्यक्ष श्री मनोज कुमार अवस्थी मुख्य वक्ता आदि ने माँ सरस्वती जी एंव पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया।

मंचस्थ पदाधिकारी द्वारा संकुल एवं प्रांतीय खेलकूद एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं में सफल भैया बहनों को पुरस्कृत करके उनका उत्साह वर्धन किया पुरस्कृत भैया बहनों में शारीरिक खेलकूद में प्रशांत बाजपेई ,छवि बाजपेई, अनमोल मिश्र ,आराध्या सिंह, आर्या सिंह ,साक्षी सिंह, कुशाग्र, अक्षत, केशव प्रताप को पुरस्कृत कर सम्मानित किया ।बौद्धिक प्रतियोगिताओं में अवनी मौर्या, माही गुप्ता, अक्षत मौर्य, वरुण प्रताप सिंह, कृष्णा शुक्ला ,रिद्धि विश्वकर्मा, आद्या मिश्रा, रिया, संस्कृति यादव ,आदित्य राज, आराधना मिश्रा, अक्षय द्विवेदी के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित किया ।

मुख्य वक्ता श्री मनोज अवस्थी ने पंडित दीनदयाल के व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला ।श्री अनूप पांडे जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्ममानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला भैया बहन के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उन्हें बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की ।संचालन श्री अशोक कुमार यादव जी ने किया। विद्यालय की पूर्ण व्यवस्था संबंधित जानकारी यशस्वी प्रधानाचार्य श्री सुरेश कुमार पाठक ने दिया ।आभार श्री कैलाश बाजपेई प्रबंधक सरस्वती शिशु मंदिर ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर मंचस्थ पदाधिकारी द्वारा रमेश मिश्र, दिवाकर सिंह ,जगदेव प्रसाद, सुरेश वर्मा, रमेश बाजपेई, अशोक जी शिवांगी को पुरस्कृत किया।

लेखक

डॉ गोपाल सिंह कलहंस

प्रवक्ता गांधी महाविद्यालय सिधौली सीतापुर

आज विजयादशमी 2025 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यात्रा के 100 वर्ष पूर्ण हुए 1925 से 2025 तक कि संघ की यह यात्रा भारतीय धर्म और संस्कृति की पुनर्प्रतिष्ठा की भी यात्रा रही है। संघ की प्रार्थना में स्वयं सेवक संकल्प लेते हुए कहता है-

श्रुतं चैव यत्कण्टकाकीर्णमार्गम्, स्वयं स्वीकृतं नः सुगंकारयेत्

अर्थात हे प्रभु मैं जनता हूँ कि जो मार्ग मैंने चुना है वह कांटो से भरा है किंतु स्वयं के प्रयासों से ही मैं इसे सुगम बनाऊंगा। प्रार्थना में आगे कहा गया है -

समुत्कर्ष निःश्रेयसस्यैकमुग्रम्, परं साधनं नाम वीरव्रतम्

राष्ट्र को समुत्कर्ष की ओर ले जाने का जो व्रत स्वयंसेवक के द्वारा लिया गया है उसके लिए उसे सभी प्रकार के भौतिक-अभौतिक आकर्षण सभी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से परे रहकर प्रयास करना होता है। शास्त्रों में इसे ही निःश्रेयस की अवस्था कहा गया है।वस्तुतः संघ का स्वयंसेवक जिस लक्ष्य का संधान करना चाहता है उसके लिए निःश्रेयस के अतिरिक्त अन्य कोई मार्ग नहीं है। संघ का लक्ष्य भौतिक नहीं है क्योंकि यह राष्ट्र की गौरवशाली परंपरा की पुनर्स्थापना का लक्ष्य है क्योंकि यह 'प्राप्तस्य प्राप्ति' है अतः संघ का स्वयंसेवक ऐसा कभी नहीं कहता कि उसने किसी मत या पंथ का प्रणयन किया है। विनष्ट वही होता है जो उत्पन्न होने या करने का दावा करे जो उत्पाद व्यय दोनों से परे हो उसका कभी विनाश नहीं होता। इसलिए इस यात्रा में सिर्फ आगे ही बढ़ना होता है जो 1925 की विजयदशमी से लेकर 2025 की विजयदशमी तक अनवरत होता चला आ रहा है अतः जो भी समय के साथ संघ की समाप्ति की दुश्चिंता या दुर्भावना से ग्रस्त रहे हैं इसका कारण उनका संघ और इसके वैचारिक अधिष्ठान के प्रति अज्ञानता है। अर्थात जो संघ की भी आयु निर्धारित कर रहे थे वे या तो दुराग्रही थे अथवा अज्ञानी वह अपनी ही सीमित सोच को संघ की वैचारिक यात्रा पर भी लागू कर रहे थे। जबकि संघ श्रुणुवंत विश्वा अमृतस्य पुत्रा के औपनिषदिक भाव से अनुप्राणित होकर कार्य करता चला आ रहा है कार्य करता रहेगा। संघ का एक गीत ध्यान में आ रहा है-

संस्कृति सबकी एक चिरंतर खून रगों में हिंदू है विराट सागर समाज अपना हम सब इसके बिंदु हैं।

अर्थात भारतीय संस्कृति की कालजयी यात्रा में संघ भी एक बिंदु है एक ऐसा बिंदु जो सर्व को समाहित किये हुए है और सर्व में ही समाहित है। जो भारतीय संस्कृति और राष्ट्र से एकात्म हो चूका है।

संघ भारतीय संस्कृति तथा उसके मान-मूल्यों की प्रतिष्ठा के लिए अनवरत संघर्ष करता आया है तथा उसी के साथ अपने को अस्तित्वान भी मानता है। संघ ने अपनी स्थापना से लेकर अभी तक अनेक लक्ष्यों को प्राप्त किया है तथा अनेक लक्ष्य अभी प्राप्त करने हैं उन समस्त लक्ष्यों की प्राप्ति तक यह विचार यात्रा ऐसे ही चलती रहे हम सब इसमें सहभागी बने रहें ऐसी ईश्वर से कामना है।

सार रूप में यही कह सकते हैं -

इस पथ का उद्देश्य नहीं है श्रांत भंवर में टिक रहना

किन्तु पहुंचना उस सीमा तक जिसके आगे राह नहीं। भारत माता की जय

विद्या भारती

अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

हमारा लक्ष्य

हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत तथा शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित युवा पीढ़ी का निर्माण हो, जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और जिसका जीवन नगरों, ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित और अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्रजीवन को सुसंस्कृत, समरस तथा सुसम्पन्न बनाते हुए 'वसुधैवकुटुम्बकम्' के भाव से प्रेरित होकर विश्वकल्याण के लिये समर्पित हो।

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ